

२१.०५.२५

पत्रावली पेश हुई। वकील फरीकेंड टप०। वकील
और सापलात जवाब शर्पना पत्र पेश नहीं करना चाहते
हैं। जवाब शर्पना पत्र और सापलात बन्द किया जाता
है। वहस शर्पना पत्र सुनी गई। उममपक्ष वकील
दौराने वहस बाद ग्रस्त भूमि ख० नं० ५२, ५५, ५७,
५९७, ५९८ कुल किता ५ कुल रकवा १.०८७७ हे० ग्राम लांगरा
तह० मठरायल की अस्था स्थिति बनाने रखने को सहमत है।

अतः शर्पना पत्र सापल स्वीकार किया जाता है।

उममपक्षकारान को तापुसला बाद पत्र अस्था निवेधन
को पाबन्द किया जाता है कि आशजी ख० नं० ५२, ५५, ५७,
५९७, ५९८ कुल किता ५ कुल रकवा १.०८७७ हे० ग्राम लांगरा
तह० मठरायल में कोई निर्माण नहीं करे। मौका व राजस्व रिकार्ड
की अस्था स्थिति बनाने रखे। पत्रावली फंसल शुमार होकर नम्बर
सि कम होकर मूल दावा के साथ सलज्ज ही आदेश हुआ।

उप खण्ड १ प्राधिकारी
मठरायल